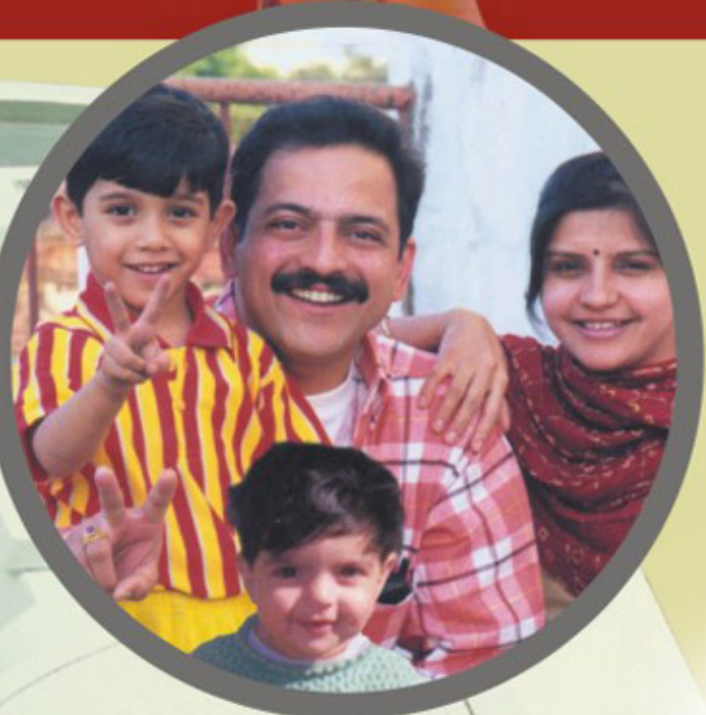


# Brain Stroke Painless Attack..but equally DANGEROUS

## मस्तिष्काघात वेदनारहित दौरा..मगर कहीं खतरनाक



**WOCKHARDT**  
HOSPITALS

विभाग : कैंसर एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी

### Brain stroke Painless Attack ..but equally DANGEROUS मस्तिष्काघात

वेदनारहित दौरा..मगर कहीं खतरनाक

#### ■ What are Stroke symptoms & signs?

The symptoms of stroke depend on what part of the brain is damaged. In some cases, a person may not even be aware that he or she has had a stroke.

**If you see or have one or more of these symptoms, don't wait, call your doctor.....**

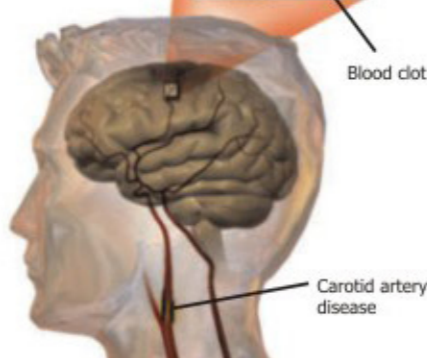
- Weakness or loss of movement (paralysis) of any part of the body (like an arm, leg, or side of the face)
- Numbness, tingling, or decreased sensation
- Changed or diminished vision
- Language difficulties, including slurred speech, inability to speak, inability to understand speech, difficulty reading or writing
- Swallowing Difficulties or drooling
- Loss of memory
- Vertigo (abnormal sensation of movement)
- Loss of balance or coordination
- Personality changes
- Mood/emotion changes (such as depression or apathy)
- Drowsiness, lethargy, or loss of consciousness
- Uncontrollable eye movement or eyelid drooping

If one or more of these symptoms is present for less than 24 hours, it may be a Transient Ischemic Attack (TIA). A TIA is a temporary loss of brain function and a warning sign for a possible future stroke

#### ■ आघात के लक्षण क्या हैं ?

मस्तिष्क के किस भाग में नुकसान हुआ है, आघात के लक्षण उस पर निर्भर हैं। कभी कभी तो व्यक्ति को पता भी नहीं होता कि उसे मस्तिष्काघात हुआ है।

**Ischemic Stroke:** Ischemic Stroke is a life threatening event in which part of the brain does not receive enough oxygen, usually due to a blood clot lodged in a cerebral artery.



अगर इन लक्षणों में एक या अधिक लक्षण देखें या महसूस करें तो बिना वक्त गंवाए अपने डॉक्टर को बुलाएं....

- शरीर के किसी भाग में कमजोरी या हिलने में असमर्थता (लकवा) जैसे हाथ, पैर या चेहरे की एक बाजू
- भारीपन, झुनझुनाहट, या संवेदना में कमी
- दृष्टी में बदलाव या कमी
- भाषा की तकलीफ जिसमें हैं-अस्पष्ट उच्चार, बोलने में असमर्थता, बात का आकलन न होना, पढ़ने लिखने में परेशानी
- निगलने में तकलीफ या लार गिरना
- स्मृतिभ्रंश
- चक्कर आना (गति का असामान्य अहसास)
- संतुलन या समन्वय का अभाव
- व्यक्तित्व में परिवर्तन
- मूड/भावनाओं में बदलाव (जैसे अवसाद या उदासी)
- सुस्ती, आलस्य या बेहोशी
- आँखों का अनियंत्रित गति या पलकें ना उठा पाना

अगर २४ घंटे या कम समय तक इनमें से एक या अनेक लक्षण बने रहें, तो यह ट्रान्झिएंट इस्केमिक अटैक(TIA) हो सकता है। (TIA) मस्तिष्क कार्य का अस्थायी अभाव है और एक भविष्यकालीन चेतावनी है कि आघात हो सकता है।

#### ■ What is Stroke?

Stroke happens when blockage or breakage of a blood vessel interrupts the blood supply to an area of the brain. Brain cells in the immediate area usually die within a few hours. Strokes can impair speech, vision, movement or memory, depending on where in the brain it happens. Some people recover completely, while others die after very severe strokes.

A thrombosis, or blockage in a blood vessel, or an embolism, a fatty deposit or clot which breaks loose and follows the blood stream until it lodges in a smaller vessel, can literally cause the brain to starve to death in a very few minutes by depriving it of blood & thereby oxygen to tissue.

#### ■ आघात / दौरा क्या है ?

जब रक्तवाहिनी अवरुद्ध होने से या टूटने से मस्तिष्क के एक हिस्से में रक्तप्रवाह रुक जाता है तो मस्तिष्काघात हो जाता है। उस हिस्से की कोशिकाएं सामान्यतः कुछ घंटों में मर जाती हैं। इस आघात से वाचा, दृष्टी, गति या स्मृति को नुकसान पहुंचता है और यह इस बात पर निर्भर करता है कि मस्तिष्क का कौनसा हिस्सा प्रभावित हुआ है। कुछ तो इससे पूर्ण ठीक हो जाते हैं जबकि अन्य गंभीर मस्तिष्काघात से मर जाते हैं।

खून जमना (Thrombosis) रक्तवाहिनी में अवरुद्ध, रक्तवाहिनी में पथरी (Embolism) बसा का जमाव या थक्का, जो छूटकर रक्तप्रवाह के साथ किसी छोटी वाहिनी में रुक जाता है। इसकी वजह से मिनटों में उनको खून और साथ ही ऑक्सिजन के अभाव के चलते मृत्यु के करीब पहुंचा देता है।

#### ■ What are Lab Tests and Procedures Used for Stroke Diagnosis?

Here are the tests doctors uses most often in stroke diagnosis.

- CT Scan to know clot or bleeding
- Angiography to view the Blood Vessels that supply the Brain
- Tests that View the Heart or Check its Function
- Routine Screening Tests
- Other Neurologic Tests

#### ■ मस्तिष्काघात के निदान के लिए प्रयोगशाला जांच एवं प्रक्रियाएं कौनसी हैं ?

मस्तिष्काघात के निदान के लिए डॉक्टर ज्यादातर इन जांचों को करने की सलाह देते हैं।

- थक्का या रक्तस्राव का पता लगाने के लिए सीटी स्कैन
- मस्तिष्क को रक्त पहुंचानेवाली रक्तवाहिनियों का पता लगाने के लिए एन्जियोग्राफी
- हृदय या उसका कार्य जांचने के लिए परीक्षण
- स्क्रीनिंग जांच
- अन्य न्यूरोलॉजिक जांच

#### ■ What are treatment for Stroke?

A stroke is a medical emergency. Physicians have begun to call it a "brain attack" to stress that getting treatment immediately can save lives and reduce disability. Treatment varies, depending on the severity and cause of the stroke. For virtually all strokes, hospitalization is required, possibly including intensive care and life support.

The goal is to get the person to the emergency room, determine if he or she is having a bleeding stroke or a stroke from a blood clot, and begin appropriate therapy within 3 hours.

#### Immediate treatment

Thrombolytic medicine, like Urokinase tPA, breaks up blood clots and can restore blood flow to the damaged area. People who receive this medicine are more likely to have less long-term impairment. However, there are strict criteria for who can receive thrombolytics. The most important is that the person be evaluated and treated by a specialized stroke team including neurologist and Interventional Radiologist. Vascular & Interventional Radiologist is a specially trained physician in vascular diseases, who will perform Cerebral angiography through a small puncture made in artery to locate the clot in particular blood vessel of brain and reach upto that blood vessel with tiny micro catheter and release clot bursting thrombolytic agent at the site of clot, thereby preventing systemic side effect of this agent. He would do periodic check angiogram to know the status of clot within 3 to 6 hours of when the symptoms start.

In other circumstances, blood thinners such as heparin and warfarin are used to treat strokes. Aspirin and other anti-platelet agents may be used as well.

#### ■ मस्तिष्काघात के इलाज कौनसे हैं ?

यह आघात एक मेडिकल आपातस्थिति है। जल्द चिकित्सा उपलब्ध हो तो जीवन बच सकता है और विकलांगता की संभावना को कम कर सकते हैं। इसी बात पर जोर देने के विचार से डॉक्टरों ने इसे दिमाग का दौरा कहना शुरू कर दिया है। इलाज अलग अलग है और निर्भर करते हैं आघात की गंभीरता और कारण पर। लगभग सभी दौरों के लिये हॉस्पिटल में रहना आवश्यक है जिसमें इंटेन्सिव केअर और जीवन रक्षक प्रणालियां शामिल हैं।

लक्ष्य है, व्यक्ति को आपातकक्ष में ले जाना, रोगी के दौरे का कारण रक्तस्राव है या खून का जमना इसका निर्धारण और ३ घंटों के भीतर उचित इलाज शुरू हो।

#### श्रीघ्न चिकित्सा

थ्रोम्बोलिटिक दवाइया जैसे यूरोकायनेज खून के थक्के को तोड़कर, नुकसान हुए हिस्से का रक्तप्रवाह पूर्ववत कर सकते हैं। ये दवाइयां लेने वाले लोगों में दीर्घकालिन विकलांगता की संभावना कम होती है। मगर थ्रोम्बोलिटिक किसे दिये जाएं, इसके कठोर नियम हैं। सबसे महत्वपूर्ण है कि व्यक्ति की परीक्षा और चिकित्सा विशिष्ट स्ट्रोक टीम करें, जिसमें न्यूरोलॉजिस्ट और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट वाहिनी संबंधी (Vascular) रोगों के लिये विशेष प्रशिक्षित डॉक्टर होते हैं। ये विशेषज्ञ सेरेब्रल एन्जियोग्राफी करते हैं। जिसके लिये धमनी में छोटा छेद कर मस्तिष्क में रुकावट वाली उस रक्तवाहिनी का पता लगाते हैं। एक अतिसूक्ष्म कैथेटर के जरिये उस रक्तवाहिनी में पहुंचकर थक्के की जगह पर थक्का तोड़ने वाले थ्रोम्बोलिटिक एजेंट छोड़ते हैं जिसमें इस दवाई के सिस्टेमिक साइड इफेक्ट कम हों। लक्षण शुरू होने से ३ से ६ घंटों में निश्चित समय के अंतर से एन्जियोग्राम के जरिये खून के जमाव पर नजर रखते हैं।

अन्य परिस्थितियों में हिरुडिन और वॉर्फेनरि जैसी खून तरल करनेवाली दवाइयों का इस्तेमाल होता है। एस्पिरिन और अन्य एंटी प्लेटलेट एजेंट्स भी उपयोग में लाये जाते हैं।

#### ■ Effects of a Stroke

1. Weakness (hemiparesis) or paralysis (hemiplegia) on one side of the body that may affect the whole side or just the arm or leg. The weakness or paralysis is on the side of the body opposite the side of the brain affected by the stroke
2. Spasticity, stiffness in muscles, painful muscle spasms
3. Problems with balance and/or coordination
4. Problems using language, including having difficulty understanding speech or writing (aphasia); and knowing the right words but having trouble saying them clearly (dysarthria)
5. Being unaware of or ignoring sensations on one side of the body (bodily neglect or inattention)
6. Pain, numbness or odd sensations
7. Problems with memory, thinking, attention or learning
8. Being unaware of the effects of a stroke
9. Trouble swallowing (dysphagia)
10. Problems with bowel or bladder control
11. Fatigue
12. Difficulty controlling emotions (emotional lability)

13. Depression

14. Difficulties with daily tasks

#### ■ दिमाग के दौरे/ (मस्तिष्काघात) के परिणाम

१. कमजोरी (हेमिपैरेसिस) या शरीर की एक बाजू में लकवा (हेमिप्लेजिया) , जिससे पूरी बाजू या सिर्फ हाथ या पैर प्रभावित हों। यह कमजोरी या लकवा मस्तिष्काघात से प्रभावित बाजू के ठीक विरुद्ध बाजू में होता है।
२. कठोरता (स्पाॅस्टिसिटी), पेशियों में तनाव, पेशियों में दर्दभरी अकडन/मरोड
३. संतुलन और/समन्वय की समस्या
४. भाषा-प्रयोग में समस्या, जैसे संभाषण समझने में या लिखने में परेशानी(एफेशिया) और सही शब्द जानना मगर स्पष्ट संभाषण में तकलीफ(डायसॅथ्रिया)
५. शरीर की एक बाजू की संवेदनाओं से अनजान(शारीरिक अवेहेलना)
६. दर्द, जडता या अजीब अनुभूति
७. स्मृति, विचार, ध्यान देना या सीखने की समस्या
८. आघात के परिणामों से अनभिज्ञता
९. निगलने में कष्ट (डिसफेजिया)
१०. मल-मूत्र नियंत्रण की समस्या
११. थकावट
१२. भावनाओं पर नियंत्रण में कष्ट
१३. अवसाद
१४. रोजाना कामों में परेशानी

**24 Hr. FULLY EQUIPPED  
EMERGENCY MANAGEMENT SERVICES**

For Vascular (Blood vessel)/Pulse related emergency, call our 'Emergency management Services at

**0712-6534400**

Department Vascular & Interventional Radiology

**WOCKHARDT**  
HOSPITALS

1643, North Ambazari Road, Nagpur 440 033.  
Ph.: 0712 - 6624444, 2222844. Fax: 0712 - 222266.  
Website : www.wockhardthospitals.net